हनुमान जयंती व्रत कथा PDF

चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को भगवान श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव के संबंध में एक कथा प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि जब राजा दशरथ ने अग्नि देव से प्राप्त खीर को अपनी तीनों रानियों में बांट दिया तो कैकेयी के हाथ से एक चील झपट्टा मारकर कुछ खीर अपने मुंह में लेकर वापस उड़ गई। जब चील देवी अंजना के आश्रम के ऊपर उड़ रही थी, अंजना ऊपर देख रही थी।

जैसे ही अंजना का मुंह खुला, खीर का कुछ हिस्सा उसके मुंह में गिर गया और उसने अनायास ही वह खीर खा ली। जिससे उनकी कोख से भगवान शिव के अवतार हनुमान जी का जन्म हुआ। मंगलवार को चैत्र मास की पूर्णिमा के दिन जनेऊ धारण किए हुए हनुमान जी का जन्म हुआ था, उसी दिन से हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई जाती है और हनुमान जी की पूजा की जाती है।

pdfinbox.com

pdfinbox.com